Code No.: BFSN-06

Total No. of Questions : 4 Total No. of Printed Pages : 2

स्नातकपरीक्षा:– २०१५

बि.ए. – विद्वन्मध्यमा – प्रथमवर्षम्

शास्त्रम् – नन्यायशास्त्रम्

भाग: – २, पत्रिका – ४

विषय: – न्यायभाष्यम् – प्रथमाध्याय:

दिनाङ्क: – 5-4-2015 **गरिष्ठाङ्का:** – १००

समय: – 10.00 A.M. to 1.00 P.M. Max. Marks – 100

I. एकेन वाक्येनोत्तरयत। **10 × 1 = 10**

१. का नाम प्रमिति: ?

२. प्रमाणतोऽर्थ .... प्रमाणम्। (रिक्तम् पूरयत)

३. चतसृषु चैतासु ....। (रिक्तम् पूरयत)

४. प्रमाण .... अधिगम:। (रिक्तम् पूरयत)

५. आत्म .... प्रमेयम्। (रिक्तम् पूरयत)

६. को नाम् प्रेत्यभाव: ?

७. सिद्धान्त: कतिविध:। तेषां नामानि कानि?

८. अपवर्गो नाम् क: ?

९. घ्राणा .... भूतेभ्य:। (रिक्तम् पूरयत)

१०. गन्ध .... तदर्था:। (रिक्तम् पूरयत)

II. वाक्यद्वयेनोत्तरयत। **2 × 5 = 10**

१. किन्नाम् छलम्? सोदाहरणं वदत।

२. हेत्वाभासा: कति? कास्ता: ?

३. किन्नाम निग्रहस्थानम्?

४. को नाम संशय: ? तदुदाहरणम् किम्?

५. को नाम दृष्टान्त: ? तदुदाहरणम् किम्?

Code No.: BFSN-06

III. विस्तरेणोत्तरयत। (पञ्चानामेव) **5 × 8 = 40**

१. सिद्धान्तभेदं सोदाहरणं निरूपयत।

२. द्वादशविधाप्रमेयानां स्वरूपमुपवर्णयत।

३. अपवर्गविषये बूषणकारमतमुपन्यस्य निराकुरुत।

४. वाक्छलोपचारच्छलयोर्भेदं स्पष्टीकुरुत।

५. निर्णयप्रतिपादकं सूत्रं यथाभाष्यं व्याख्यात।

६. अवयवप्रतिपादकं सूत्रं यथाभाष्यं व्याख्यात।

७. तर्कप्रतिपादकं सूत्र यथाभाष्यं व्याख्यात।

IV. प्रबन्धरूणोत्तरयत (द्वयोरेव) **2 × 20 = 40**

१. प्रमाणतोऽर्थ .... प्रमाणम् इति पंक्तिं अवतार्य व्याख्यात।

२. 'प्रदीपः सर्वविद्यानां' इत्यादिकारिकां व्याख्यात।

३. 'प्रत्यक्षानुमानोपमानशब्दाः प्रमाणानि' इति सूत्रं यथाभाष्यं व्याख्यात।